



बुआ संग रासलीला

“मेरा नाम साहिल है, आज मैं हिम्मत करके आपको अपनी एक वास्तविकता बताने जा रहा हूँ। मेरी उम्र 19 साल है कद 5 फुट 4 इंच, रंग साफ है, मेरे लंड की लम्बाई लगभग 7 इंच है, रंग काला है पर इसे गोरी चूत बहुत पसंद है। आज मैं आपको अपनी और बुआ की चुदाई [...] ...”

Story By: (mahithakur111)

Posted: Wednesday, May 19th, 2010

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [बुआ संग रासलीला](#)

बुआ संग रासलीला

मेरा नाम साहिल है, आज मैं हिम्मत करके आपको अपनी एक वास्तविकता बताने जा रहा हूँ।

मेरी उम्र 19 साल है कद 5 फुट 4 इंच, रंग साफ है, मेरे लंड की लम्बाई लगभग 7 इंच है, रंग काला है पर इसे गोरी चूत बहुत पसंद है।

आज मैं आपको अपनी और बुआ की चुदाई के बारे में बताने जा रहा हूँ, बुआ का नाम अंजलि है, गोरी-चिट्ठी। नाक-नक्श किसी हिरोइन की तरह उनके वक्ष ऐसे कि जी करता था अभी चूस लूँ और सारा दूध निचोड़ दूँ। उनका फिगर कुछ 36-30-34 होगा। जब वो चलती है तो लगता है कि स्वर्ग से अप्सरा आ गई हो। उनके नितंब यानि चूतड़ साड़ी में भी अलग ही दीखते हैं। अगर कोई उन्हें नंगी देख ले तो शर्तिया नामर्द की मर्दानगी फूट फूट कर बाहर आ जाएगी।

बालिग होने के बाद मैं हमेशा उन्हें चोदना चाहता था लेकिन वो मेरी बुआ थी तो शर्म आ जाती थी।

एक महीने पहले की बात है जब मुझे उस परी को चोदने का मौका मिला। हुआ यूँ कि गाँव में एक शादी थी, पूरे परिवार को जाना था लेकिन मेरे और बुआ के पेपर थे तो हम दोनों रुक गए और बाकी सब गाँव चले गए।

मुझे गन्दी फिल्म देखने का शौक है तो मैं उस दिन कसेट ले आया, वो कसेट मैंने देखी, मेरी अन्तर्वासना पूरे शवाब पर हो गई। अब जब मैं बुआ को देख रहा था तो मुझे उनकी चूत और गांड ही नजर आ रही थी। मैंने अपनी गांड का छेद देखा था, यह इतना छोटा

होता है कि पेंसिल डालनी भी मुश्किल है पर उस फिल्म में एक आदमी अपना मोटा लंड लड़की की गांड में डालता है, लड़की बहुत चिल्लाती है पर आदमी नहीं रुकता। कसम से देख कर मजा आ गया था, पता नहीं क्यों पर मैं बुआ की चूत से ज्यादा गांड की तरफ आकर्षित था। रात को मैं और बुआ खाना खाकर एक ही कमरे में सो गए।

मैं तो बुआ को ही देख रहा था, और उनके चूतड़ों को जो मैक्सी में अलग ही दिख रहे थे। लगभग एक घंटे बाद बुआ उठी, मुझे देखा, मैंने आँखें बंद कर ली। उन्होंने कंप्यूटर चालू किया और एक कसेट डाली। जब कसेट चली तो मेरी आँख फट गई, यह एक ब्लू फिल्म थी। मैंने सोचा कि अभी उठा तो फ़ायदे में रहूँगा, मैं सीधा बैठ गया और बोला- बुआ, पानी पीना है।

और फिर बोला- यह क्या है बुआ ? गन्दी फिल्म ?

बुआ डर गई और बोली- सुन तू भी जवान है तो समझता है शरीर की जरूरतों को ! तूने तो कर भी लिया होगा पर मैं तो कुंवारी हूँ।

तो मैंने बुआ को अपने पास खींचा और हम लगभग चिपक गये।

मैंने उनके कान में कहा- मैं आपकी जरूरत पूरी कर देता हूँ।

वो बोली- तू इतना बड़ा हो गया जो मेरी जरूरत पूरी करेगा ?

तभी मैंने बुआ को पकड़ कर चूमना शुरू कर दिया, मैंने बुआ की गर्दन पर चूमा और फिर उन्हें गोद में उठा लिया। मैंने उन्हें बेड पर लिटा दिया और उन्हें चुम्बन करने लगा।

मैंने उनकी गर्दन चूमी और उनके लाल लाल होंठों पर आ गया। मैंने बुआ का नीचे का होंठ अपने होंठों में ले लिया। अब मैं और बुआ दोनों होंठ चूस रहे थे।

तभी मैंने अपने एक हाथ से बुआ की मैक्सी खोल दी। अब बुआ मेरे सामने ऐसे थी जैसे मैं

उन्हें अपने सपनों में देखा करता था। उनके स्तन मुझसे कह रहे थे कि हमें इस ब्रा से मुक्ति दो प्रभु!

मैंने बुआ की ब्रा उतार दी, मैं बोला- बुआ, यह तो तुमने जन्नत छुपा रखी है।

मैंने उन्हें चूमा और तभी मैंने बुआ का हाथ अपने लंड के ऊपर महसूस किया, मैं बोला- बुआ, रुको!

फिर मैंने अपना पजामा उतार दिया और उनके सामने अपने तने हुए लंड के साथ खड़ा हो गया।

बुआ डर गई, बोली- देख छोड़, मैं तुझसे बड़ी हूँ ना ?

मैं बोला- हाँ!

बोली- फिर भी यह लंड मैं सह नहीं पाऊँगी तो जरा प्यार से करियो!

मैंने बुआ को चूमा और उनके मासूम चेहरे को सांत्वना दी कि उन्हें ज्यादा दर्द नहीं होगा। फिर मैंने उन्हें लिटा दिया। अब मैंने उनकी लाल पैन्टी उतार दी, उसमें से एक अजीब सी खुशबू आ रही थी। मैंने ऐसी चूत पहले कभी नहीं देखी थी, न फिल्म में, न हकीकत में! उनकी चूत बहुत गोरी थी, हल्के-हल्के बाल थे! मैंने बुआ की टाँगें चौड़ी की और उनकी चूत पर अपना मुँह रख दिया। मैंने अपनी जीभ उनके दाने से जैसे ही भिड़ाई, बुआ चिल्ला पड़ी।

मैं बोला- क्या हुआ ?

बोली- थोड़ा आराम से!

अब मैं समझ गया था कि बुआ आज रात बहुत रोने वाली हैं क्योंकि मैं उन्हें चोदूंगा ही और उनको दर्द होगा।

मैंने फिर अपना काम जारी रखा उनकी चूत चूसने का !

बुआ चिल्लाती रही- आह अहहः हा हाहा आ आह्हूहा हूहाह अहह छोड़ छोड़ दे ।

पर मैंने उन्हें पूरा चूसा और उनका पानी पी गया, वो मुझे अमृत सा लगा ।

अब बुआ की बारी थी, मैंने अपना लंड उन्हें दिया और कहा- लो चूसो !

वो शरमा गई ।

मैं बोला- पूरी रात है, बुआ चूसना तो पड़ेगा ही !

तो बुआ ने चूसना शुरू किया । लंड की मोटाई के कारण उन्होंने थोड़ा ही चूसा पर मैंने उनका मुख मैथुन पूरा किया, साथ ही इसी बीच में कभी उनकी गोरी गांड में उंगली डाल देता, कभी चूत में !

अब जिम्मेवारी का काम था क्योंकि बुआ पहले कभी चुदी नहीं थी तो उनकी चूत बहुत तंग थी, सील बंद ।

मैंने उन्हें कहा- थोड़ा दर्द होगा पर बहुत मजा आएगा ।

वो डरी हुई थी, मैंने उनकी टांगें चौड़ी की और उनके ऊपर हो गया ताकि वो दर्द से घबरा न जाएँ, अपना लंड उनकी चूत पर रखा और थोड़ा सा दबाव डाला तो लंड डेढ़ इंच अंदर गया होगा, वो चिल्लाई- अईई ईई माआअ माया छोड़ दे कमीने उठ मा अईई मर गई रे कुत्ते उठ !

पर मैं वहीं रुका रहा, चूत से खून खून निकल रहा था । यह कहानी आप मोबाइल पर पढ़ना चाहें तो एम डॉट अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ सकते हैं ।

कुछ देर बाद बुआ कुछ शांत हुई और बोली- बाकी कल प्लीज़ ! मर जाऊँगी मैं ! तेरा लंड है या खम्बा !

मैंने वहीं आगे पीछे होना शुरू किया, वो चिल्लाती रही अईई ईई ईई माँ तेरी माँ की चूत कुत्ते छोड़ दे।

मैंने कुछ तेज धक्के लगाये और लंड चूत की गहराई में था, वो गन्दी गन्दी गाली दे रही थी- भोंसड़ी के कुत्ते छोड़! आ गई मा ईई ईईई इ आह्ह अहहः अहाहा अहः आहा ह हमारी चुदाई लगभग आधा घंटा चली, अब वो कुछ शांत थी पर गाली दे रही थी और आह्हहहहाहा आःह्ह आह्ह आवाज़ कर रही थी। मैं उनके ऊपर ही लेट गया और बोला- बुआ मजा आया ?

उन्होंने मुझे धक्का देकर अपने ऊपर से हटाया और गाली देकर उठने की कोशिश की लेकिन उठा नहीं गया, आखिर मैंने चोदा था, उठ कैसे जाती।

वो रोने लगी, उन्हें बहुत दर्द हो रहा था, मैंने उन्हें गले लगा लिया, मैंने उन्हें उठाया और बाथरूम में ले गया। वहाँ फव्वारा चला दिया। हम दोनों ने साथ में बीस मिनट स्नान किया फिर वो चूत की सफाई करने लगी। तभी मुझे उनकी गांड का गुलाबी छेद दिख गया, मेरा लंड फिर तैयार था लेकिन बुआ नहीं मानी।

पर कुछ दिन बाद मैंने उनकी गांड भी मारी, अगली बार बताऊँगा।
मुझे इमेल करें।

mahithakur111@yahoo.com

Other stories you may be interested in

बहन बनी सेक्स गुलाम-2

पिछले भाग में आपने पढ़ा था कि मेरी बहन को कुछ नया करने का मन था तो मैंने उसको अपने कमरे में ले जा कर नये तरीके से चोदा. उस रात की चुदाई के बाद वह काफी खुश लग रही [...]

[Full Story >>>](#)

आपा का हलाला-11

मैं लंड से उसकी चूत रगड़ने लगा और अपना औज़ार एक ही झटके में उसकी चूत में दे मारा. एक हल्की सी रुकावट पार करने लंड पूरा जड़ तक मेरी कुंवारी दुल्हन की बुर में समा गया और दिलिया की चीख [...]

[Full Story >>>](#)

सुबह सवेरे बीवी की मदमस्त चुदाई

अन्तर्वासना पर कहानी पढ़ने वाले सभी मित्रों और भाभियों को कुमार का नमस्कार. जिन्होंने मेरी पहले की कहानी प्यारी बीवी की गांड चोदकर वीर्य भर दिया पढ़ी है, उन सबको मेरे बारे में पता होगा. लेकिन जिन लोगों को मालूम [...]

[Full Story >>>](#)

आपा का हलाला-10

आदाब दोस्तो, आपने मेरी कहानी 'आपा का हलाला' पर आप सब की ढेर सारी ईमेल भेजी, आप सबका इस प्यार के लिए बहुत शुक्रिया. इस लम्बी कहानी में आपने पढ़ा कि कैसे मैंने पहले नूरी खाला, फिर अपनी दुल्हन सारा, [...]

[Full Story >>>](#)

भाई के दोस्त ने मुझे चोद दिया

मेरा नाम रिया है. मेरी हाइट अच्छी है और मेरी फिगर भी अच्छी है. मैं दिखने में भी बहुत अच्छी हूँ. मेरी सहेलियों में मैं सबसे अच्छी लगती हूँ. मेरी सहेली मेरे घर आती है तो हम सब लोग एक [...]

[Full Story >>>](#)

